

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - हिंदी
पाठ - 27 : आखिरी चट्टान
कार्यपत्रक - 27

1. "हम लोग सीपियों का गुदा खाते हैं औ रदार्शनिक सिद्धांतों पर बहस करते हैं।" इस कथन से आप कितना सहमत हैं? सिद्ध कीजिए।
2. 'शक्ति का विस्तार और विस्तार की शक्ति।' पाठ के आधार पर इस सूक्ति को उदाहरण सहित विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
3. 'हर यात्रायादगार होती है क्योंकि हमें नए-नए अनुभव प्राप्त होते हैं।' इसी परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए कि यात्रा वृत्तांत लिखते समय समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
4. 'आखिरी चट्टान' पाठ में स्थानीयता का उदघाटन किस प्रकार किया गया है? स्पष्ट कीजिए।
5. 'अपने प्रयत्न की सार्थकता से संतुष्ट होकर मैं टीले पर बैठ गया, ऐसे जैसे वह टीला संसार की सबसे ऊँची चोटी हो और मैंने, सिर्फ मैंने, उस चोटी को पहली बार सर किया हो।।' इस पंक्ति को पढ़कर आपके मन में जो विचार आ रहे हैं उन्हें उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।
6. 'आखिरी चट्टान' पाठ की किन्हीं दो भाषागत विशेषताओं का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।
7. 'आखिरी चट्टान' पाठ के शीर्षक की सार्थकता को उदाहरण देकर प्रस्तुत कीजिए।
8. संज्ञा से विशेषण और विशेषण से संज्ञा बनाने के दो-दो उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
9. आज के समय में यात्रा वर्णनका क्या महत्व है? अपने तर्क प्रकट कीजिए।
10. 'रैत का कुंवारापन' से लेखक का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।